

द्वारा सार्वजनिक रूप से की गई कार्रवाई जो जुलूस, धरना, सभा और अनशन आदि के रूप में हो सकती है।

प्रदर्शन कक्ष पुं. (तत्.) पुस्तकालय में पाठकों को आकर्षित करने या सूचना देने के लिए नई पुस्तकों या विषय विशेष की पुस्तकें रखे जाने वाला कमरा।

प्रदर्शन पट्ट पुं. (तत्.) विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ अथवा विषय-विशेष से संबंधित या नवीन वस्तुओं को दिखलाने के लिए रखा गया लकड़ी, प्लास्टिक आदि के तख्ते का समतल आधार जो खड़े रूप में या दीवार आदि में लगाया गया हो।

प्रदर्शन प्रवृत्ति स्त्री. (तत्.) आत्मप्रदर्शन, प्रदर्शनोन्माद, प्रदर्शनवाद, स्वयं को अपनी शक्ति तथा व्यक्तित्व को, धन-वैभव संपत्ति आदि को दूसरों के समक्ष प्रदर्शित करने की प्रवृत्ति आयु. नगनावस्था में स्वयं को दिखलाने की प्रवृत्ति, कामांग प्रदर्शन, नंगे शरीर के प्रदर्शन की प्रवृत्ति, विकृत मानसिक स्थिति में स्वयं के गुप्तांगों या रति क्रीड़ा दिखाने का उन्माद।

प्रदर्शनवाद पुं. (तत्.) अस्त-व्यस्त मानसिक दशा में काम क्रीड़ा संबंधी असामान्य व्यवहार, प्रदर्शनोन्माद प्रदर्शन वृत्ति नंगे शरीर के प्रदर्शन की प्रवृत्ति, कामांग प्रदर्शन दे. प्रदर्शन प्रवृत्ति।

प्रदर्शन विज्ञापन पुं. (तत्.) चित्रों, नारों आदि के माध्यम से आकर्षक और प्रभावी विज्ञापन, सजावटी विज्ञापन।

प्रदर्शन वृत्ति स्त्री. (तत्.) दे. प्रदर्शनवाद तथा प्रदर्शन-प्रवृत्ति।

प्रदर्शनात्मक वि. (तत्.) दिखाने के लिए किया गया, दिखावटी।

प्रदर्शनी स्त्री. (तत्.) वह स्थान जहाँ तरह-तरह की वस्तुएँ या क्षेत्र विशेष अथवा विषय विशेष से संबंधित वस्तुएँ या कतिपय वस्तुओं की भिन्न-भिन्न किस्में प्रदर्शित की जाएँ, नुमाइश।

प्रदर्शिका वि. (तत्.) प्रदर्शन करने वाली, देश, नगर, संग्रहालय आदि के विषय में जानकारी देनेवाली मार्गदर्शक पुस्तक, पुस्तिका, संदर्शिका।

प्रदर्शित वि. (तत्.) दिखलाया हुआ, सामने रखा हुआ, प्रकट किया हुआ, प्रदर्शनी में रखा हुआ, प्रकाशित किया हुआ, सिखलाया हुआ, जताया हुआ, व्याख्या किया हुआ।

प्रदा वि.स्त्री. (तत्.) देने वाली उदा. शक्तिप्रदा, धनप्रदा, बुद्धि प्रदार आदि टि. 'प्रदा' का प्रयोग स्वतंत्र रूप से नहीं होता, समस्त पद के अंत में ही होता है, यद्यपि यह प्रत्यय नहीं है तथापि इसका प्रयोग 'प्रद' की तरह ही स्त्रीलिंग शब्द बनाने के लिए होता है।

प्रदाक्षिण्य पुं. (तत्.) किसी व्यक्ति अथवा पदार्थ के चारों ओर बाएँ से चलकर दाएँ को जाना।

प्रदाता पुं.वि. (तत्.) 1. देने वाला, दानी, प्रदायक 2. विवाह में कन्यादान करने वाला व्यक्ति

प्रदाता विभाग पुं. (तत्.) वह विभाग जो अपने किसी कार्मिक की सेवाएँ दूसरे विभाग को अस्थायी रूप से सौंप दे, वह विभाग जो अपनी किसी वस्तु, सामग्री या धन राशि आदि को इस शर्त पर अस्थायी रूप से दूसरे को दे दें कि वह वस्तु आदि समय पर लौटाई जाएगी।

प्रदात्ती वि. (तत्.) प्रदात्ता का स्त्रीलिंग।

प्रदान पुं. (तत्.) 1. किसी को कुछ देने की क्रिया, वह जो दिया जाए 2. दिया या चुकाया जाने वाला धन, सहायता, व्यय आदि के लिए स्वीकृत अथवा दी जाने वाली धन-राशि, अनुदान आदि।

प्रदाय पुं. (तत्.) 1. प्रदान की गई वस्तु, दी गई वस्तु, उपहार, भेंट 2. आपूर्ति, संभरण, वाणि. किसी वस्तु या सेवा की एक निश्चित कीमत पर उपलब्ध मात्रा पर्या. पूर्ति, आपूर्ति, संभरण।

प्रदायक वि. (तत्.) 1. प्रदान करने वाला, देने वाला, प्रदाता, प्रदायी उदा. शक्ति प्रदाय 2. संभरण करने वाला, अर्थात् संभरक प्रदायक, पूर्तिकार, आपूर्ति कार टि. 'प्रदायक' का प्रयोग प्रायः